Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 18th Sep 2016 Shift 1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2016-09-18 17:09:07
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	23947213
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	23947221
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	23947221
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 239472163 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	23947214
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	23947222
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	23947222
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 239472164 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
छोटे बाबू से इस कमरे के सब निवासियों की सहानुभूति थी, बडे साहब की हरकत पर सब को असंतोष था, पर अभी तक किसी ने प्रकट नहीं किया था। पेपरवेट की बात सुन कर सब ने अपना-अपना असंतोष प्रकट करना आरंभ कर दिया। कमरे में शोर होने लगा। सभी अपनी-अपनी फैंक रहे थे। खूब गुलगपाडा मचा हुआ था। तभी सहसा दरवाजे पर टंगे पर्दे की सरसराती हुई आवाज आई, 'दुश्मन' और सब एकदम चुप हो गए मानो किसी ने बडबडाता रेडियो एकदम बंद कर दिया हो। बाहर बरामदे में चौकीदार खटखट करता गुजर गया। कमरे में फिर से बडे साहब की आलोचना होने लगी। तभी खटखटाती हुई आवाज में टाइपराइटर ने कहा, 'भई गलती तो असल में मेरी थी, छोटे बाबू ने तो अपनी तरफ से ठीक ही टाइप किया था। क्या बताऊ जब से इस पक्के फर्श पर गिर कर चोट लगी है, मुझ से ठीक से काम नहीं होता। दर्द बहुत होता है। मुझे अफसोस है कि मेरे कारण बेचारे छोटे बाबू को अपमानित होना पडा। ' बडे साहब की मेज के नीचे कुछ झन-झन की अवाज हुई, बडे साहब की मेज ने जोर से चिल्ला कर कहा, 'ठहरो, मांजी कुछ कर रही हैं।' रद्दी की टोकरी इस कमरे के निवासियों में सब से बूढी थी। दफ्तर पहले किसी और स्थान पर था परन्तु जब यह नया भवन बना तब यही एक थीं जो वहा से बच कर यहा आ गई थीं। इस के साथ के कई साथी गंदे नाले के रमणीय तट पर बसे कबाडी आश्रम में अब भगवत भजन में शेष जीवन बिता रहे हैं। कमरे के अन्य निवासी इन्हें बडी श्रद्धा की दृष्टि से देखते थे और मां जी कह कर पुकारते थे। मां जी अब बहुत वृद्ध हो गई थीं। अब और तब का सवाल था। आवाज भी काफी धीमी पड गई थी। वह छनछनाती आवाज में बोली, 'क्या बताऊ। उस दिन मुझ से गलती हो गई, वरना बडे साहब तो बंधे-बंधे फिरते।' 'वह जो उस दिन सरकारी सर्कुलर आया था, वह बडे साहब ने जल्दी में भूल से मेरे हवाले कर दिया। चपरासी जब रद्दी को बाहर जमादार के डोल में डालने लगा तो वह सर्कुलर मैंने अपनी गोद में बच्चे की तरह छिपा लिया। अगले दिन जब उसके बारे में सारे दफ्तर में कोहराम मचा तो मैंने निकाल कर दे दिया। जो कहीं उस दिन वह कागज मैं जाने देती तो बडे साहब को भी पता चल जाता कि साहबी कितनी महंगी है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript